

Dalmia Bharat Foundation & NABARD Jointly Undertake 'WADI' Project in Odisha

## ଡାଲମିଆ ଭାରତ ପାଉଷ୍ଟେସନ ଓ ନାବାର୍ତ୍ତର ହୃଦି ପ୍ରକଳ୍ପ

ରାଜଗାଙ୍ଗପୁର, ୨୦୧୫(ଆପ୍ରିଲ): ଡାଲମିଆ ଭାରତ ସାମାଜିକ ବିଭାଗ ଡାଲମିଆ ଭାରତ ପାଉଷ୍ଟେସନ (ଚିବିଏପ୍) ନାବାର୍ତ୍ତ ସହିତ ମିଶ୍ ହୃଦି ପ୍ରକଳ୍ପ ହାତକୁ ଲେବାଇଛି। ଆଦିବାସୀ ବିକାଶ ପ୍ରେତ୍ରରେ ଅର୍ଥକ ବିକାଶକୁ ସୁଦୂର କରିବା ଏବଂ ରାଜଗାଙ୍ଗପୁର ତଥା କୁହାର ପଞ୍ଚମିତ ଅଧାନରେ ଥିବା ଗାନ୍ଧି ଗ୍ରାମରେ ପରିବାରଗୁଡ଼ିକର ଅର୍ଥକ ବିକାଶକୁ ପ୍ରୋତ୍ସହିତ କରିବାକୁ ଏହି ପ୍ରକଳ୍ପରେ ଲକ୍ଷ୍ୟ ରହିଛି। ଏହି ପ୍ରୟୋଗ କରିଅରେ ପ୍ରତି ଗାଁରେ କରୁଛି। ଏଥିମଧ୍ୟରେ ମୁଖ୍ୟକାରୀ ସଂରକ୍ଷଣ, ଜଳ ଉତ୍ସବ ବିକାଶ, ସମ୍ପାଦନ ଗୋଟିଏ କରିଅରେ ମହିଳା ସମାଜକରଣ, ଡାଲମିଆ, କୁଶଳତାର ବିକାଶ, ହେଲି ପାଳନ, ସୁମୁରା ପାଳନ, କୁକୁରା ପାଳନ, ମହୁମାଛି ପାଳନ, ଜିଆ ଖର, ଗୋଟିଏ ନର୍ତ୍ତରା ଆଦି କରିଅରେ ଆଯ୍ ସୁର୍ତ୍ତିକାରୀ କର୍ମ୍ୟକୁମ ଆଦି ଅଭିର୍ଭୁତ। ଏହି ପ୍ରକଳ୍ପରେ ସାମ୍ପ୍ରେସ ସତେତନତା ଏବଂ ସାମ୍ପ୍ରେସ ପରାକ୍ଷଣ ଶିଦ୍ଧିର ଆୟୋଜନ ମଧ୍ୟ ସମିଲି ଅଛି। ଭାରତରେ ଆଦିବାସୀ



କରିବି ଗଠନ କରିଯିବା ସହିତ କୃଷକଙ୍କୁ ସଂପାଦିତ କରାଯାଇଛି। ଏଥିରେ ୪୦୦ ଜଣ ତାଷାକୁ ଏକତ୍ର କରି ଏକ କୃଷକ ଉପାଦକ କମ୍ପାନୀ ଗଠନ କରିବା ପ୍ରକାଶ ଆଗେଇ ଚାଲିଛି। ୪୭୦ ଏକର ଜଣିରେ ଆଯ୍ ଓ କାନ୍ତୁ ବାଦମ ତାଷ ଦ୍ୱାରା ୪୭୦ରୁ ଅଧିକ ହିତଧୂକାରୀ ସହାୟତା ପାଇବେ, ୮୦ ଜଣ ହିତଧୂକାରୀଙ୍କୁ ମହିମାଛି ପାଳନ ନିମତ୍ତେ ସହାୟତା ପ୍ରୋତ୍ସହିତ ଦିଆଯାଇବା।

ଡାଲମିଆ ସିମେଣ୍ଟ ଏକ ଉତ୍ତମ ଉତ୍ସବ ନିର୍ମାଣ ନିମତ୍ତେ ବିକାଶ ଓ ପରିବର୍ତ୍ତନର ପରମାଣ୍ଵୟର ସୁର୍ତ୍ତି କରିବା ପାଇଁ ପ୍ରତିଶ୍ରୁତିବନ୍ଦ ରହିଛି। ଯୋଗ୍ୟମଧ୍ୟ ସାମାଜିକ ଭାରତମ୍ୟ ଦୂର କରି ଦୂରନ ଅର୍ଥନୈତିକ ଓ ପରିବଶରେ ଆବଶ୍ୟକତା ପୂରଣ ସୁନିଶ୍ଚିତ କରିବାକୁ ପ୍ରୟୋଗ କରି ବେଳି ରଖିବାକୁ ପ୍ରତିଶ୍ରୁତିବନ୍ଦ ରହିଛି। ଆଦିବାସୀ ବିକାଶ ନିମତ୍ତେ ନାବାର୍ତ୍ତ ସହିତ ହୃଦି ମତେଳ କରିଅରେ ଆମର ସହଭାଗିତା ପରିଣମଙ୍ଗ ଓ ଉତ୍ତମ ପୂର୍ବାଞ୍ଚଳରୁ ଆମ କରି ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ରାଜଗାଙ୍ଗପୁର ଓ କୁହାର ସମ୍ପର୍କ କରିବାକୁ ପ୍ରୟୋଗ ଜାରି ରହିଛି ବୋଲି ଶ୍ରାବନ୍ତବ କରିଛି।

ଚିବିଏପ୍ କୃଷକଙ୍କୁ ଅର୍ଥକ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ସାବଲମ୍ବା କରିବା ସକାଶେ ନାବାର୍ତ୍ତର ହୃଦି ପ୍ରକଳ୍ପ ଅଧାନରେ ବିବିଧ କାର୍ଯ୍ୟକୁମକୁ ଭାରାହିତ

ସମୁଦ୍ରାୟ ସେମାନଙ୍କ ଜୀବନ ଧାରଣ ନିମତ୍ତେ ମୁଖ୍ୟତଃ କର୍ଷି, ଜଙ୍ଗଲ ଏବଂ ଗୋ'ପମବ ଉପରେ ନିର୍ଭରଶାଳ। ଦେଶର ଅଧ୍ୟକଣଶ ଭାଗରେ ସେମାନେ ଦୂରମ ଅଞ୍ଚଳରେ ବାସ କରୁଛନ୍ତି ଏବଂ ଏବେ ମଧ୍ୟ ସଢ଼କ ଓ ଯୋଗାପୋଶ, ସାମ୍ପ୍ରେସ, ଶିକ୍ଷା ଓ ନିରାପଦ ପାନୀୟ ଜଳ ଆଦି ଉତ୍ସବିହୀନ ସୁବିଧା ସୁଯୋଗ୍ୟ ବନ୍ଧିତ ହେଉଛନ୍ତି, ସରକାରକ ପକ୍ଷର ଯୋଗାର ଦିଆଯାଇଥିବା ପ୍ରସ୍ତୁତି ଓ ଅର୍ଥକ ସୁବିଧା ସୁଯୋଗ ଉପଯୋଗ କରିବା ସେମାନଙ୍କ ନିମତ୍ତେ କଷତିକର ହୋଇପଡ଼ୁଛି ବୋଲି ସୁନ୍ଦରଗତ ଜିଲ୍ଲାର ନାବାର୍ତ୍ତ ଅଧିକାରୀ ତାପସ କୁମାର ବେହେରା କହିଛନ୍ତି। ରାଜଗାଙ୍ଗପୁରରେ ଡାଲମିଆ ଭାରତ ପାଉଷ୍ଟେସନ ସହିତ ମିଶ୍ ହୃଦି ସୁକଳ ହାତକୁ ନେଇ ଆମେ ଆଦିବାସୀ ସମୁଦ୍ରାୟ କାର୍ଯ୍ୟକୁ ଦୃଷ୍ଟି ସହିତ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଓ ନବସ୍ଥକନକୁ ଶ୍ରଦ୍ଧା କରିବାକୁ କହିଛନ୍ତି। ତିବିଏପ୍ ପକ୍ଷର ସିଦ୍ଧାଂତର ବିଭାଗୁ ଗରିବାର କରିବାକୁ ଭୂବନେସ୍ତରିତ ସେବାକୁ ହଟିକଳିତାଳ ଏହୁପେରାମେଖାଳ ଷେଷେନ (ସିଦ୍ଧାଂତରେ)ରେ ଆୟୋଜିତ ଦୂର ଦିନିଆ ତାମିଳ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଅଶ୍ରୁହଣ କରି ଏହି ପ୍ରକଳ୍ପର ବିଭିନ୍ନ ବିଭାଗରେ ଆହାରଣ କରିଛନ୍ତି।

‘ଓଡ଼ି’ ପ୍ରକଳ୍ପରେ ଡିବିଏସ୍-ନାବାର୍ତ୍ତ ସହଭାଗିତା

# ଆଗଉଛି କୃଷକ ଉପାଦକ କମ୍ପାନୀ

ରାଜରବେଳା, ୨୩୪ (ସମୀକ୍ଷା)

ତାଳିଆ ରାତର ସାମାଜିକ ଦୟିବିଦ୍ୟେ ବିଜ୍ଞାନ  
ତାଳିଆ ରାତ ପାଇଁଶେଷ ନିର୍ମିତ ମାନବୀ  
ସହ ନିର୍ମିତ ଏବଂ ପ୍ରକଳ୍ପ ହାତକୁ କରିଛି । ଗାନ୍ଧୀଙ୍କାରୀ  
ଓ ହାତ ପାଇଁର ମାଟି ଶ୍ରମର ପିଲାଙ୍କରୁକୁଠିକର  
ଆର୍ଥିକ ନିକଷରୁ ପୋସାର୍ତ୍ତ ଦରିଦ୍ରକୁ ଏହି ପରିଚାରେ

କଣ୍ଠ ରଖାଯାଇଛି । ଏ ଦିଗରେ ବୁଝନ୍ତି ଥାବୁନ୍ତି ମୁଣ୍ଡ  
ଦୁଇଟି ନେବେ କୋଣି ଦିଲିଏଟି ଏବଂ ନାଶର୍ତ୍ତ ପଥର  
ଦୁଇଟାଯାଇଛି ।

ଆଜେଇ ଚାଲିଛି । ୪୯୦ ଏକ ର କହିରେ ଆୟୁ ଓ ଜାତ୍ଯ  
ବାଦମ ଗସ ଦାର ୪୭୦ରୁ ଅଧିକ ହିତାଧୂରାର  
ସହଯୋଗ ପାଇବେ । ୮୦ ରେ ହିତାଧୂରାରଙ୍କ ମହାନ୍ମାନ୍ମି  
ପାଇନ (ମହିତାଷ) ନିର୍ମାଣ ସହଯୋଗ ଯୋଗିର

3 | 27 May 2022

The Sakala

# ଓଡ଼ିଶା ମେ ଶୁରୁ ହୁଈ ବାଡି ପରିୟୋଜନା

सीएसआर के तहत नाबाड़ के साथ मिलकर **झालमिया** ने शुरू की परियोजना



**समृद्ध राजगढ़पुर :** डालभिया भारत प्रधान के समाजिक दलितवादी विभाग (सांसदशास्र) की साथां डालभिया भारत पाउडरेशन (डॉब्रोफएक) ने नावाड़ी में सहायता से बांडी परियोजना सुरक्षा की है। परियोजना का उद्देश्य आदिवासी विकास में मूल्य श्रृंखला को मजबूत करना है। बहुत अंडिया के राजगढ़पुर तथा तुमा पंचायतों में 35 गांवों के परिवारों के बीतीय विकास को बढ़ावा देना है। इस परले के माध्यम से किसानों को हर गांव में सामर्थित किया गया है। बहुत 500 किसानों को एक साथ लाकर किसान टल्लाद कर्मी स्थापित करने के प्रक्रिया परलाए से ही चल रही है। 420 से अधिक लाभार्थियों को 420 एकड़ मुफ्त पर आया और कार्ज के रूप में सहायता मिलेगी, जबकि 80 लाभार्थियों को मधुमक्खी परलाए में सहायता प्रदान की जाएगी।

विकास, बरकरार पालन, सुधर पालन, मर्गी पालन, मधुमत्तवर्क्ष पालन, अंगूष्ठा पालन, सामुद्रपालन, नरसींग चाँदा पालन, सामुद्रपालन, जैसे आय-आनन्द कार्यक्रम शामिल हैं। इस पर्यावरणजन के अंतर्गत में खासगति जालकर्मी और स्वास्थ्य उचित जैसे विधि भी शामिल हैं। नगरादि जिला विकास प्रबन्धक तापस बहुंगा ने कहा गजांगगढ़र में वाही पर्यावरण जल विद्युत विभाग फार्डेशन के स्वयंगो से युक्त करके, हम आधिकारियों को टिकटुक कृति के साथ-साथ प्रोत्तेगितीयी और नवाचार अपनाने के माध्यम से उनको कृषि क्षेत्राओं को बढ़ाने में मदद करना चाहते हैं। द्वितीयों की ओर से स्पष्टीकृति विभाग के चार कर्मी ने सेंट्रल लैंडकल्परल एवं प्रैवेंटल स्टडीस (सी एप्प इंस्ट्रूमेंट्स) में द्वे विशेषज्ञ प्रशिक्षिण कार्यक्रम में भाग लिया और परियोगिता की। विभिन्न पहलुओं पर जापान विद्या।

4 | 27 May 2022

Dainik Jagran

## डालभिया भारत फाउंडेशन और नावार्ड ने प्रदेश में शूरू की 'वाडी' परियोजना

★ राजगांगपुर व कुत्रा  
पंचायतों में 500 से अधिक  
जनजातीय होंगे लाभान्वित



**राजवंशगुप्त,** (संकागद सत्र) : डालमिया भारत द्वारा के सामाजिक दायित्व विभाग (सीएसआर) की शाखा डालमिया भारत फोडेंसन (डीबीएफ) ने नावाह के सहयोग से 'वाढ़ी' परियोजना शुरू की है। एरियोजना का उद्देश्य आविष्कार विकास में सूखे बहुतालों का मध्यवर्ती करना और अडिएक्स के राजवंशगुप्त और कुत्रा पंचायतों के 30 ग्रामों के परिवारों के वित्तीय विकास को बढ़ावा देना है। डीबीएफ नावाह परियोजना को सफल बनाने की उम्मीद करते हैं, जबकि इनकी तरफ से वित्तीय विकास को सफलता और लापानीपूर्ण निरन्तर वित्तीय स्वतंत्रता समिश्रित करने

महत्वपूर्ण भौमिका निभाएगी। इस पहले माध्यम से किसानों को हर गांव में समर्पित बनाने के लिए संगठित किया गया है। 150 किसानों को एक साथ लाकर किसानों के कंपनी स्थापित करें की प्रक्रिया पहले से ही चल रही है। 420 से अधिक लाभार्थीयों की 4 एकड़ भूमि पर आम और काजु के रोपण सहायता मिलेगी, जबकि 80 लाभार्थीयों को मन्मथवंशी पालन में सहायता प्रदान की जाएगी।

'बाढ़ी' परियोजना पर टिप्पणी करते हुए डीसीबीएल की कालकरी निदेशक और राजनीतिकुपर के सूची बने चेतन श्रीवास्तव ने कहा कि डालोम्यांगा भारत में हमें विकास और बढ़ती के लिए बलवान की विरासत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं कि हम नए लोगों से मिलें। जलान संभव हो सके ताकि अंतर्राष्ट्रीय और बड़ करके आर्थिक और पर्यावरणीय जड़तात्त्वों को पूरा करना। नावांड और अदिवासी विकास के 'बाढ़ी' पौंडल के साथ हमीरी सांस्कृतिक परिवर्तन बांधा और उन्हें पूर्वी क्षेत्र में संस्कृतालैंग्वार अनुवानने के साथ एक सफल तरफ करते आ रहे हैं। अब हम राजनीतिशुरू और कुत्रा में इन सहक्रियाओं का विस्तार करने के लिए तरपर हैं, जिससे एक स्थायी आजीविका को नेतृत्व लेने के लिए अन्य विकास को समर्पित बना और मध्यम स्तर का विवरण दिया गया है।

5 | 27 May 2022

Sanmarq

# DBF & NABARD launch WADI project

## 500 tribal beneficiaries in Rajgangpur and Kutra

STATESMAN NEWS SERVICE  
RAJGANGPUR, 26 MAY:

Dalmia Bharat Foundation (DBF), the Corporate Social Responsibility (CSR) arm of Dalmia Bharat has launched the 'WADI' Project, in association with NABARD.

The project aims to strengthen the value chain in tribal development and boost the financial growth of panchayat families of 38 villages under Rajgangpur and Kutra panchayats in Odisha. Through the initiative, farmers have been organised to form committees in every village, and the process to set up a Farmer Producers Company by bringing together 500 farmers together is already underway.

Over 420 beneficiaries will receive assistance in mango and cashew plantation on 420 acres of land while 80 beneficiaries will be provided assistance in apiculture.

Chetan Shrivastav, Unit Head, Dalmia Cement Bharat Limited, Rajgangpur, said, "Our partnership with NABARD and the 'WADI' model of tribal development goes a long way with successful adoptions in West Bengal and the North East region. We now look forward to extending these synergies in Rajgangpur and Kutra, with a core focus of empowering tribals to lead a sustainable livelihood."

DBF is expediting various programs under NABARD's 'WADI' project in a bid to

make farmers financially independent. These include soil conservation, development of water resources, women empowerment through Self Help Groups (SHGs), training, skill development, income-generating programs such as goat farming, pig farming, poultry, apiculture, earthworm rearing, community nursery etc. The project includes health awareness and health check-up camps.

"By undertaking the WADI project in Rajgangpur, in collaboration with Dalmia Bharat Foundation, we want to help tribals enhance their farming capabilities through sustainable agriculture as well as technology and innovation adoption," said Mr Tapas Behera, DDM Nabard.

6 27 May 2022

Statesman

## Dalmia Bharat Foundation, NABARD jointly undertake 'WADI' Project in Odisha



PBD BUREAU

RAJGANGPUR, MAY 26

DALMIA Bharat Foundation (DBF), the Corporate Social Responsibility (CSR) arm of Dalmia Bharat has undertaken the 'WADI' Project, in association with National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD). The project aims to strengthen the value chain in tribal development and boost the financial growth of families of 38 villages under Rajgangpur and Kutra panchayats in Odisha.

Through the initiative, farmers have been organised to form committees in every village; and the process to set up a Farmer Producers Company by bringing together 500 farmers together is already underway. Over 420 beneficiaries will receive assistance in mango and cashew plantations on 420 acres of land while 80

beneficiaries will be provided assistance for apiculture.

Commenting on the initiative, said Dalmia Cement Bharat Limited Rajgangpur Unit Head Chetan Shrivastav said, "At Dalmia Bharat, we are committed to creating a legacy of development and change for the better and strive to ensure that we meet newer economic and environmental needs by closing societal gaps as much as possible. Our partnership with NABARD and the 'WADI' model of tribal development goes a long way with successful adoptions in West Bengal and the North East region. We now look forward to extending these synergies in Rajgangpur and Kutra, with a core focus of empowering tribals to lead a sustainable livelihood."

DBF is expediting various programs under NABARD's 'WADI' project in a bid to make farmers financially independent. These include soil conser-

vation, development of water resources, women empowerment through Self Help Groups (SHGs), training, skill development, income-generating programs such as goat farming, pig farming, poultry, apiculture, earthworm rearing, community nursery etc. The project includes health awareness and health check-up camps.

"By undertaking the WADI project in Rajgangpur, in collaboration with Dalmia Bharat Foundation, we want to help tribals enhance their farming capabilities through sustainable agriculture as well as technology and innovation adoption. We are confident that we will be able to improve the livelihood of tribal communities and also hope to see a progressive change in the region's overall socio-economic and environmental conditions," said Tapas Behera, DDM, NABARD.

In a bid to create awareness and promote the inclusion of stakeholders in this project, DBF and NABARD imparted training to the staff of PIAs to enhance their capacity for effective implementation of WADI project in the area. On behalf of DBF, four personnel from the CSR team attended a two-day training program at Central Horticultural Experimental Station (CHES) Bhubaneswar and acquired knowledge on various aspects of the project.

**Political and Business Daily**

**Odisha Bhaskar**

7      27 May 2022

8      27 May 2022

ଡାଲମିଆ ଭାରତ ପାଉଣ୍ଡେସନ ଓ ନାରାତ୍ତ ପକ୍ଷରୁ ମିଳିତ ଭାବେ ‘ଥୁଡ଼ି’ ପ୍ରକଳ୍ପ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ

୪୦୦ରୁ ଅଧିକ ଆଦିବାସୀ ହିତାଧୂକାରୀ ହେବେ ଉପକୃତ

କଳିତାମୁଗ୍ର, (ଭାଷିତ ମୁଦ୍ରା) : ଡାକିଲିମ୍ବିଆ ଭାଷାର ଯାମାନିକ ଦାଇରୀରୁବୋଧ ବିଭାଗ ଡାକିଲିମ୍ବିଆ ଭାଷା ପାଇଁବେଳେ (ବିଦେଶୀ) ଜାଲାର୍ଟ ସହି ମିଳ ପ୍ରତି ପ୍ରକଳ୍ପ ହାତକୁ ଲେବାଇ । ଆଖିବାର କଳାଙ୍କ କେତେବେଳେ ମୂଳ୍ୟ ଶୁଣିଲୁଣୁ ସୁଧୁ କାହାର ଏବଂ କୃତିକାରୀଙ୍କ ପାଇଁବେଳେ ଅଧିକରେ ଅଧିକରେ ଥିଲା ।



ବିଦ୍ୟା ଏବଂ ନାଗରିକ ଆଶା ରଖିବାକୁଣ୍ଟାର ପରିମା ଏବଂ ଏହାର ପରିମା ଏଥିରେ ବିଚାରିବାକୁ ପରିମା ସୁଧାରଣା ଆଶ୍ରମ ସାଧାରଣତା ପୁଣିଷ୍ଠ କଲିବାରେ କୃତଜ୍ଞାନକର ଆଶ୍ରମ ମୁଖ୍ୟ ଉତ୍ତରିଣୀ ନେବ ବୋଲି କଲିବାକୁ ପରିମା ଏହି ପ୍ରାଣୀ କଲିବାରେ ପରିମା ଗ୍ରାହକ କଲିବାରେ କଲିବାରେ କଲିବାରେ କଲିବାରେ ଏବଂ ୪୦ ଗ୍ରାହକ ଏକତ୍ର ନେଇ ଏକ କଳିବା ଉପରିକାଳ ଜୀବନର ଗ୍ରାହକ କଲିବିଛି । ୪୯୦ ଏହା କଲିବାରେ ଆସ ଓ କଲିବା ବାଧା ବାଧା ବ୍ୟାଧା ବ୍ୟାଧା ୪୨୦ ରୁ ଅଧିକ ଦିନକାଳିକା ବ୍ୟାଧା ପାଇଁ ଏହା ୫୦ ଜାର ହିଂସାକାରୀ ହିଂସାକାରୀ ପାଇବା ମଧ୍ୟ କାର ମିମିତେ ସହାଯତା ଯୋଗାଇ ଦିଆଯାଇଛି । ଏହି

ପ୍ରକଳ୍ପ ହାତକୁ ନିର୍ମିତ ପାଇର୍ବା  
ମନଦେବ ଦେବକୁ ଶ୍ରୀପାତ୍ର କରିଲେ  
କରିବାରେଣ୍ଟିରୁ ନିର୍ଭରସ୍ଥ, ପରିବର୍ତ୍ତନ  
ଓ ସୁନ୍ଦର, ମୁଖ୍ୟ, ଭାବାବିନାମିକ  
କରିଛି, "ତାମଙ୍କ ବିଜ୍ଞାନେ  
ଆମେ ଏକ ଭରା ଭାବିଷ୍ୟତ ନିର୍ମାଣ  
ନିମନ୍ତେ ବିଜାପୁ ଓ ପରିବର୍ତ୍ତନ  
ପରମାଣୁ ବୃଦ୍ଧି କାମାପାର  
ପ୍ରତିକର୍ତ୍ତା କରିବି ଏବଂ ଯଥାନ୍ତର  
ସାମାଜିକ ଚାରିକାମ ଦୂରକରି ଦୂର  
ଅର୍ଥନେତିକ ଓ ପରିବର୍ତ୍ତନ  
ଆବଶ୍ୟକତା ପୁରାଣ ବୁଦ୍ଧିଶିଖ  
କରିବାକୁ ପ୍ରୟାଗ କରିଛୁ । ନାମାନ୍ତର  
ଯଦିତ ଆମର ସହାଯିତା ଏବଂ  
ଆଧ୍ୟତ୍ତବାକ୍ଷର ବିକାଶ ନିମନ୍ତେ  
"ଶ୍ରୀ" ନାମର ପରିବର୍ତ୍ତନ ଓ ରଜନୀ  
ଫୁଲକାଳୀର ଲାଗୁ କରିବାକୁ ବିଜ୍ଞାନେ  
ସମ୍ବନ୍ଧରେ ଧ୍ୟାନ କରିଛି । ଆମେ

ସମ୍ପଦ ଏହି ବନ୍ଧିକି ପ୍ରେସ୍‌ରୁ  
ଗାତରାଳୀଯା ଓ କୁଟୁମ୍ବ ବ୍ୟାପାରରେ  
ଯେଉଁଥେରେ ଆବିଦ୍ୟାରେ ଏକ  
ଦର୍ଶିଷ୍ଟ୍ୟା ଜାଗିବା ପାଇଲାମ ପରା  
ଆବଳମ୍ବନ ଦିଗରେ ସରକୁ ଜାଗିବା  
ଉପରେ ଦୃଶ୍ୟ ନିର୍ମାଣ କରିଛି ।”  
ଏଥାମଥରେ ମୂରିକା ସାରାକାର,  
ଜଳ ଉପରେ କୁକାଳ, ସାଥୀ  
ସାହାଯ୍ୟକା ଗୋଟା (ସାଥୀଙ୍କି)  
ଜାଗିବାରେ ମହିଳା ସାରାକାର  
ଚାଲିବା, କୁଣ୍ଡଳକାଳ କିବିକାର, ଛେତ୍ର  
ପାଇନ, ସୁର୍ଯ୍ୟତା ପାଇନ, କୁଟୁମ୍ବ  
ପାଇନ, ମାନ୍ଦାଳି ପାଇନ (ମୁହଁ  
ଶବ୍ଦ), ଶିର୍ତ୍ତା ଅତି, ଗୋଟା ନରଜା  
ଅବି ଜାଗିବାରେ ଆଶ୍ୟ ମୁରିକାର  
କାମ୍ପିଙ୍କା ଅବି ଅର୍ଥରୁ । ଏହି  
ପ୍ରକଟକେ ହିତାକାରାଳାନାଳା

ମନ୍ତ୍ରକର ସେବନକାରୀ ପୁଣି ଏହି  
ସେମାନଙ୍କୁ ଅତ୍ୱରୁକୁ ନକରିବା  
ଦେବିରେ ଦେଖିଲୁ ମାନ୍ଦରାଜ  
କିମ୍ବା ଅତ୍ୱରୁକୁ ପୁଣି ପ୍ରକଳନ  
ସମ୍ମାନ ପ୍ରାୟମନ ନିର୍ମାଣ ପ୍ରକଳନ  
କାର୍ଯ୍ୟକାରୀଣା ସଂଗ୍ରହୀ ଏ  
କରିବାକାଳେ ବାରାଣସିରେ ଦେଖି  
ପଶାନକାରୀ ପଶାନକାରୀ ତାଳିମ  
ପ୍ରକଳନ କରାଯାଇଲା କିମ୍ବା  
କିମ୍ବା ଏହି ସମ୍ମାନ  
ପ୍ରକଳନ ସିଂହାସନାର ଦ୍ଵାରା ରାଜୀବର  
ଚକିତିଷ୍ଠ କରିବାକାଳେ ପ୍ରକଳନ  
ଦେଖାଇଲା ହେଉଥିଲା ତାଳିମରେ  
ଏହିପ୍ରେମିଣେଖାର କ୍ଷେତ୍ରର  
(ସିଂହାସନର)ରେ ଆଯୋଜିତ ଦୂର  
ଦିନିଆ ତାଳିମ କାର୍ଯ୍ୟକଳନରେ  
ଅନୁଭୂତି କରିଥିଲା ଏହି ଏହି  
ପ୍ରକଳନ କିମ୍ବା କିମ୍ବା ସମ୍ପର୍କରେ ଆଜି  
ଆଜିକାର କରିଥିଲା ।

ଡାଳମିଆ ଭାଗତ ପାଉଣ୍ଡେସନ ଓ ନାରାଟ ପକ୍ଷରୁ ମିଳିତ ଭାବରେ ଓଡ଼ିଶାରେ ‘ଥୁଡ଼ି’ ପ୍ରକଳ୍ପ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ ଉପକୃତ ହେବେ ୫୦୦ ରୁ ଅଧିକ ଆଦିବାସୀ ହିତାଧୂକାରୀ



## Dalmia Bharat Foundation & NABARD Jointly Undertake 'WADI' Project in Odisha Over 500 Tribal Beneficiaries in Rajgangpur and Kutra Panchayats to Receive Assistance

Rajgangpur, Odisha, 26 May 2022: Dalmia Bharat Foundation (DBF), the Corporate Social Responsibility (CSR) arm of Dalmia Bharat has undertaken the 'WADI' Project in association with NABARD. The project aims to strengthen the value chain in tribal development and boost the financial growth of panchayat families of 38 villages under Rajgangpur and Kutra panchayats in Odisha. While DBF and NABARD hope to make the project a success, the interest of farmers will play a key role in ensuring the project's success and the beneficiaries' sustained financial independence. Through the initiative, farmers have been organised to form committees in every village, and the process to set up a Farmer Producers Company by bringing together 500 farmers together is already underway. Over 420 beneficiaries will receive assistance in mango and cashew plantation on 420 acres of land while 80 beneficiaries will be provided assistance in apiculture. Commenting on the undertaking, said Mr.



Chetan Shrivastav, Unit Head, Dalmia Cement Bharat Limited, Rajgangpur, said, "At Dalmia Bharat, we're committed to creating a legacy of development and change for the better and strive to ensure that we meet newer economic and environmental needs by closing societal gaps as much as possible. Our partnership with NABARD and the 'WADI' model of tribal development goes a long way with successful adoptions in West Bengal and the North East region. We now look forward to extending these synergies in Rajgangpur and Kutra, with a core focus of empowering tribal to lead a sustainable livelihood." DBF is expediting various programs under NABARD's 'WADI' project in a bid to make farmers financially independent. These include soil conservation, development of water resources, women empowerment through Self Help Groups (SHGs), training, skill development, income-generating programs such as goat farming, pig farming, poultry, apiculture, earthworm rearing, community nurseries etc. The project includes health awareness and health check-up camps. "Tribal communities across India are dependent mainly on agriculture, forests and livestock for their livelihood. In many parts of the country, they reside in inaccessible areas and are still devoid of infrastructure facilities such as road and communication, health, education and safe drinking water, which

make it difficult for them to absorb the technological and financial facilities provided by government," said Mr. Tapas Behera, DDM, NABARD. "By undertaking the WADI project in Rajgangpur, in collaboration with Dalmia Bharat Foundation, we want to help tribals enhance their farming capabilities through sustainable agriculture as well as technology and innovation adoption. We are confident that we will be able to improve the livelihood of tribal communities and also hope to see a progressive change in the region's overall socio-economic and environmental conditions." In a bid to create awareness and promote the inclusion of stakeholder in this project, DBF and NABARD have imparted training to the staff of PIAs to enhance their capacity for effective implementation of WADI Project in the area. On behalf of DBF, four personnel from the CSR team attended a two day training program at Central Horticultural Experimental Station (CHES) Bhubaneswar and acquired knowledge on various aspects of the project.

## ଡାଳମିଆ ଓ ନାବାର୍ତ୍ତ ପକ୍ଷରୁ ଓଡ଼ିଶାରେ ‘ଓଡ଼ାଟି’ ପ୍ରକଳ୍ପ



ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୨୯୪୫/ୟାନ୍‌ଦ୍ୟସ୍ୱ:  
 ଡାଳମିଆ ଭାରତର ସାମାଜିକ ଦୟିତ୍ବବୋଧ  
 ବିଭାଗ ଡାଳମିଆ ଭାରତ ପାଉଣ୍ଡେସନ  
 (ଡିବିସଫ) ଓ ନାରାତ୍ତ ମିଲିତ ଭାବରେ  
 ‘ଡ୍ରିଟି’ ପ୍ଲକକୁ ହାତକୁ ନେଇଛି । ଆଦିବାସୀ  
 ବିକାଶ କ୍ଷେତ୍ରରେ ମୂଲ୍ୟ ଶୁଙ୍ଗଳକୁ ସୁଦୃଢ଼  
 କରିବା ଏବଂ ଉତ୍ତିଶାର ରାଜଗାଁଘୁର ଓ  
 କୁତ୍ର ପଞ୍ଚାମତ ଅଧୀନରେ ଥିବା ଗାଁଟି  
 ଗ୍ରାମରେ ପରିବାରଗୁଡ଼ିକର ଆୟୁକ୍ତ ବିକାଶକୁ  
 ପ୍ରେସାହିତ କରିବାକୁ ଏହି ପ୍ଲକକୁରେ ଲକ୍ଷ୍ୟ  
 ରଖାଯାଇଛି । ଏହି ପ୍ରୟାସ ଜରିଆରେ ପ୍ରତି  
 ଗ୍ରାମରେ କମିଟି ଗଠନ କରିବାକୁ  
 କୃଷକମାନଙ୍କୁ ସଂଗ୍ରହିତ କରାଯାଇଛି । ଏବଂ  
 ୪୦୦ ଗାର୍ଥୀଙ୍କୁ ଏକତ୍ର ନେଇ ଏକ କୃଷକ

ଉଦ୍‌ବୁଦ୍ଧ କନ୍ପାମୀ ଗଠନ କରାଯିବ । ୪୯୦  
ଏକର ଜମିରେ ଆୟ ଓ କାଳୁ ବାଦାମ ଚଷ  
ଦ୍ୱାରା ୪୨୦୦ ଅଧିକ ହିତାଧୂକାରୀ ସହାୟତା  
ପାଇବେ ଏବଂ ୮୦ ଜଣ ହିତାଧୂକାରୀଙ୍କୁ  
ମହୁଳାଛି ପାଳନ (ମହୁ ଚଷ) ନିମାତେ  
ସହାୟତା ଯୋଗାଇ ଦିଆଯିବ । ଉଲମିଆ  
ସିମେଞ୍ଚରେ ଆମେ ଏକ ଉତ୍ତମ ଭିକ୍ଷୁତ  
ନିର୍ମାଣ ନିମାତେ ବିକାଶ ଓ ପରିବର୍ତ୍ତନର  
ପରିପରା ସୁଷ୍ଟି କରିବାପାଇଁ ପ୍ରତିଶୃତିବନ୍ଦ  
ରହିଛୁ ଏବଂ ଯଥାସମ୍ବନ୍ଧ ସାମାଜିକ ଭାରତମ୍ୟ  
ଦୂରକରି ନୃତନ ଅର୍ଥନୈତିକ ଓ  
ପରିବେଶଶତ ଆବଶ୍ୟକତା ପୂରଣ ସୁନ୍ଦରିତ  
କରିବାକୁ ପ୍ରଯାସ କରୁଛୁ ବୋଲି କହିଛନ୍ତି  
କାର୍ଯ୍ୟନିର୍ବାହୀ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ତେବେ ଶ୍ରୀବାବୁତ୍ତବା

ଡାଳମିଆ ଭାରତ ପାଉଣ୍ଡେସନ ଓ ନାବାର୍ତ୍ତ ପକ୍ଷର ମୁଲିତ ଭାବରେ ଓଡ଼ିଶାରେ ‘ଖୁଚି’ ପ୍ରକଳ୍ପ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ ଉପକୃତ ହେବେ ୫୦୦ରୁ ଅଧିକ ଆଦିବାସୀ ହିତାଧୂକାରୀ

ବାଜାଗାଲ୍‌ପୁର,( ଦର୍ଶନ ନୟୁକ) ଚାଲିମୀ ଯା କାହାର ପାଥାରେ  
ପାଦିଦୂରିତ କିବା କାହାର ପାଥାରେ କାହାର  
ଆଶାରେବେଳ କିବିଏପି? ) ମାତାପାତ୍ର  
ଏହିତ ମିଳି ଏହି ପ୍ରକଳ୍ପ ହାତରେ  
କେବଳ । ଅଛିବା କିବାକ କେତେବେଳ  
ମୂର୍ଖ ଶୁଣିଲୁ କିମ୍ବା ଏବଂ  
କାହାର କାହାର ପାଦିଦୂରିତ  
ଏଥାବଦର ଥିବା ଗାତ୍ର କୁଣ୍ଡଳ  
ପରିବାରକୁ କିମ୍ବା ଏଥାର୍ଥିକ  
ପ୍ରାଣାହିତ କରିବାର ଏହି ପ୍ରକଳ୍ପରେ



“এখনও কোথায়ের  
মুক্তির ক্ষেত্র, কলিশ দ্বাৰা  
বিজীৱ হৈক প্ৰচলন, মুক্তি  
প্ৰচলন, কলিশ প্ৰচলন, মুক্তি  
মন (মহূ কাষ), চিআ  
গোষ্ঠী নৰ্মণ আৰু কলিশৰ প্ৰচলন  
মৃষ্টিকুলা বৃক্ষজন আৰু অন্ধকাৰ  
আৰু পুকুৰজনেৰ বাধ্যতাৰ প্ৰচলন  
এৰো স্থাপন কৰিবলৈ কৈ  
আয়োজন মধ্য পাৰিব আৰু  
“কলিশৰ আদিবাসীৰা সমু  
বোৱাবলৈ কলিশৰ প্ৰাণৰ  
মুক্তিৰ ক্ষেত্র, কলিশ এৰো গো  
লৈ প্ৰচলন, নিজৰ গোলাৰ  
অধুকীকুলা বৃক্ষজন কলিশৰ  
আঙুলৰেৰ বাব কলিশৰ ক্ষেত্ৰ  
মধ্য পৰিকল্পন আৰু প্ৰচলন  
কৈশ আৰু নিজৰ পালনৰ কলিশৰ  
কলিশৰ পুৰুষ স্বৰূপৰ কলিশৰ  
কেছকেছ, যাবা বৰকতৰ কলিশৰ  
যোগাকুলা কলিশৰ পুৰুষৰ  
আংখক পুৰুষ স্বৰূপৰ কলিশৰ

ମାତ୍ରା  
ସମୟ  
ଶ୍ଵର  
ନିରିକ  
ପାହୁଳ  
ରଖୁଣ୍ଡ  
ନାନକ  
୬୯°  
ଫେରେ  
କଢ଼  
ସପନ୍ଦ  
ଲାଗିଆ  
ଥିଲେ  
ଚାଲିଲା  
ଏହି ?  
ରିକଷା  
ସବୁର  
ନାହାଏ  
ରେ  
ପାଇଲା  
ଅନ୍ୟରେ  
ଦିଗ  
ଲେ ।

The Samaya

12 | 27 May 2022

ଡାଳମଥା ଭାବର ଫାଉଣ୍ଡେସନ ଓ ନାବାଟ ପକ୍ଷର ମଳକ ତାବରେ ଡେଶାରେ ଢୁଡ଼ି ପ୍ରକଳ୍ପ କାଯ୍ୟକାରୀ  
ରାଜଗାଙ୍ଗପୂର ଓ କୁଡ଼ା ପଞ୍ଚାମିଲାର ୪୦୦ରୁ ଅଧିକ ଆଦିବାସୀ ହିତାଧିକାରୀ ହେବେ ଉପକୃତ



A group of approximately ten people are standing outdoors in front of a white van. The individuals include men and women of various ages. One man in a red polo shirt and another in a blue t-shirt are prominent in the foreground. The scene appears to be a casual gathering or a group photo.

Sruti

13 | 27 May 2022



## Dalmia Bharat Foundation & NABARD Jointly Undertake 'WADI' Project in Odisha

Rajgangpur, AO Bureau: Dalmia Bharat Foundation (DBF), the Corporate Social Responsibility (CSR) arm of Dalmia Bharat has undertaken the 'WADI' Project, in association with NABARD. The project aims to strengthen the value chain in tribal development and boost the financial growth of panchayat families of 38 villages under Rajgangpur and Kutra panchayats in Odisha. While DBF and NABARD hope to make the project a success, the interest of farmers will play a key role in ensuring the project's success and the beneficiaries' sustained financial independence. Through the initiative, farmers have been organised to form



committees in every village, and the process to set up a Farmer Producers Company by bringing together 500 farmers together is already underway. Over 420 beneficiaries will receive assistance in mango and cashew plantation on 420 acres of land while 80 beneficiaries will be provided assistance in apiculture. Commenting on the undertaking, Mr Chetan Shrivastav, Unit Head, Dalmia Cement Bharat Limited,

East region. We now look forward to extending these synergies in Rajgangpur and Kutra, with a core focus of empowering tribals to lead a sustainable livelihood." DBF is expediting various programs under NABARD's 'WADI' project in a bid to make farmers financially independent. These include soil conservation, development of water resources, women empowerment through Self Help Groups (SHGs), training, skill development, income-generating programs such as goat farming, pig farming, poultry, apiculture, earthworm rearing, community nursery etc. The project includes health awareness and health check-up camps.

17 27 May 2022

**Around Odisha**

## डालमिया भारत फाउंडेशन और नाबार्ड ने ओडिशा में संयुक्त रूप से 'वाडी' परियोजना शुरू की राजगांगपुर और कुत्रा पंचायतों में 500 से अधिक जनजातीय लाभान्वित होंगे



राजरकेला-कुनरा-डालमिया भारत ग्रुप के सामाजिक दायित्व विभाग (सी.एस.आर) की शाखा डालमिया भारत फाउंडेशन (डीबीएफ) ने नाबार्ड के साथयोग से 'वाडी' परियोजना शुरू की है। परियोजना का उद्देश्य आदिवासी विकास में मूल्य श्रृंखला को मजबूत करना और ओडिशा के राजगांगपुर और कुत्रा पंचायतों के 38 गांवों के परिवारों के वित्तीय विकास को बढ़ावा देना है। डीबीएफ और नाबार्ड परियोजना को सफल बनाने की उम्मीद करते हैं, जबकि किसानों के लिए परियोजना की सफलता और लाभार्थियों की निरत विस्तृतता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस पहल के माध्यम से किसानों को हर गांव में समितियां बनाने के लिए संगठित किया गया है, और 500 किसानों को एक साथ लाकर किसान उपादान कंपनी ख्यालित करने की प्रक्रिया पहले से ही चल रही है। 420 से अधिक लाभार्थियों ने 420 एकड़ भूमि पर आग और काजू के रोपण में सहायता मिलाई जबकि 80 लाभार्थियों को मधुमक्खी पालन में सहायता प्रदान की जाएगी। 'वाडी' परियोजना पर टिप्पणी करते हुए, डीबीएफ के कार्यकारी निदेशक और राजगांगपुर के मुनिहंग, श्री चेतन श्रीवत्सव ने कहा, "डालमिया भारत में, हम विकास और बेहतरी विकास की विरासत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं कि हम नए लोगों से मिलें। जितना संभव हो सके सामाजिक अंतराल को बंद करके आर्थिक और पर्यावरणीय जलस्रहों को पूरा करना। नाबार्ड और आदिवासी विकास के 'वाडी' मॉडल के साथ हमारी साझेदारी परियोजना और उत्तर पूर्व क्षेत्र में सफलतापूर्वक अपनाने के साथ एक लंबा सफर तय करते आ रही है। अब हम राजगांगपुर और कुत्रा में इन सहक्रियाओं का विस्तार करने के लिए तैयर हैं, जिसमें एक स्थायी आजीविका का नेतृत्व करने के लिए आदिवासियों को सशक्त बनाने पर मुख्य ध्यान दिया गया है।" डीबीएफ

किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए नाबार्ड की 'वाडी' परियोजना के तहत विभिन्न कार्यक्रमों में जीव ला रहा है। इनमें मृदा संरक्षण, जल संरक्षणों का विकास, व्यापक सहायता समझौतों (प्रसंगजी) के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, प्रशिक्षण, कौशल विकास, बकरी पालन, सुअर पालन, मधुमक्खी पालन, केंद्रीय पालन, सामुदायिक नवार्दी आदि जैसे आप-सूचित कार्यक्रम शामिल हैं। इस परियोजना के अंतर्गत में स्वास्थ्य जागरूकता और स्वास्थ्य जाव परियोजना की उम्मीद करते हैं, जबकि किसानों के लिए परियोजना की सफलता और लाभार्थियों की निरत विस्तृतता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस पहल के माध्यम से किसानों को हर गांव में समितियां बनाने के लिए संगठित किया गया है, और 500 किसानों को एक साथ लाकर किसान उपादान कंपनी ख्यालित करने की प्रक्रिया पहले से ही चल रही है। 420 से अधिक लाभार्थियों ने 420 एकड़ भूमि पर आग और काजू के रोपण में सहायता मिलाई जबकि 80 लाभार्थियों को मधुमक्खी पालन में सहायता प्रदान की जाएगी। 'वाडी' परियोजना पर टिप्पणी करते हुए, डीबीएफ के तकनीकी और नाबार्ड के लिए सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं को अवशोषित करना मुश्किल हो जाता है। "राजगांगपुर में वाडी परियोजना शुरू करके, डालमिया भारत फाउंडेशन के सहयोग से, हम आदिवासियों को टिकाऊ कृषि के साथ-साथ प्रौद्योगिकी और नाबार्ड अपनाने के माध्यम से उचित कृषि क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करना चाहते हैं। हमें विश्वास है कि हम आदिवासी समुदायों की आजीविका में सुधार करने में सकारात्मक होंगे और इस क्षेत्र की समाज सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय परिस्थितियों में प्रगतिशील बदलाव के द्वारा वितरानकों का वासिमान करने के लक्ष्य में, डीबीएफ और नाबार्ड द्वारा क्षेत्र में वाडी परियोजना के सफल कार्यविकास के लिए प्रशिक्षित किया गया है।" डीबीएफ की ओर से, सी.एस.आर विभाग के वाचक मिलान ने सेंट्रल हॉर्टिकल्चरल एक्सप्रेसर में दस्तावेज़ के द्वारा भूवनेश्वर में दो विभिन्न पहलुओं पर जान प्राप्त किया,

18 27 May 2022

**Dainik Nazar**

### ONLINE

1	27 May 2022	<a href="https://thebusinessbytes.com/odisha/dalmia-bharat-foundation-nabard-jointly-undertake-wadi-project-in-odisha/">https://thebusinessbytes.com/odisha/dalmia-bharat-foundation-nabard-jointly-undertake-wadi-project-in-odisha/</a>	The Business Bytes.com
2	27 May 2022	<a href="https://orissadiary.com/dalmia-bharat-foundation-nabard-jointly-undertake-wadi-project-in-odisha/">https://orissadiary.com/dalmia-bharat-foundation-nabard-jointly-undertake-wadi-project-in-odisha/</a>	Orissadiary.com
3	27 May 2022	<a href="https://saranshdainik.com/राजगांगपुर-प्रखंड-के-जनजातियों-के-लिए-विकास-मूलक-परियोजना">https://saranshdainik.com/राजगांगपुर-प्रखंड-के-जनजातियों-के-लिए-विकास-मूलक-परियोजना</a>	Saranshdainik.com